अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक की मौजूदगी में वॉट नाउ के साथ MOU पर हस्ताक्षर

साइबर सुरक्षा शिक्षा होगी सुदृढ़

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. वर्तमान में साइबर खतरा केवल तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक और कानूनी चुनौती बन चुका है. महाराष्ट्र राज्य में निवारक शिक्षा, डिजिटल सुरक्षा साक्षरता और जन-जागरूकता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र साइबर के साथ सायबर के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था वॉट नाउ का समझौता हुआ है. अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यशस्वी यादव एवं वॉट नाउ की संस्थापक एवं उद्यमी नीति गोयल की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया.

पीड़ितों को मंच दिलाने वाट नाउ की स्थापना

इस अवसर पर नीति गोयल ने कहा कि यह सहयोग संयुक्त जागरूकता अभियानों, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और व्यापक सामुदायिक पहुंच पहलों के माध्यम से महाराष्ट्र में एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. उन्होंने कहा कि "वॉट नाउ की स्थापना ऑनलाइन दुर्व्यवहार के पीड़ितों की आवाज़ को समर्थन और मंच देने के लिए की गई थी. महाराष्ट्र साइबर के साथ यह सहयोग हमें अपनी पहुंच बढ़ाने और शिक्षा एवं जागरूकता के माध्यम से वास्तविक, जमीनी स्तर पर प्रभाव डालने में सक्षम बनाएगा. एमओयू पर हस्ताक्षर के समय वॉट नाउ के सह संस्थापक एवं एयू कॉरपोरेट एडवाइजरी एंड लीगल सर्विसेज के संस्थापक अक्षत खेतान, पिल्लई इंस्टीट्यूट की निदेशक डॉ. निवेदिता श्रेयांस भी उपस्थित थीं.